



तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
1	बैडमिंटन	मुकलाही मस्टर्स	मुकलाही
6	फॉर्म्यूल-1	अबू धाबी ग्राँ	अबू धाबी
9	बैडमिंटन	अशिया मस्टर्स	काठमांडू
--	क्रिकेट	भारत-श्रीलंका के बीच 3ODI, 2T20I	भारत



NBT AI टाइम मशीन

जब WHO ने माना चीन से फैला कोविड

आज ही के दिन 2019 में WHO ने माना कि चीन के दूतों ने वायरल निवेदन किया था। बाद में इसे निवेदन को कोविड-19 का नाम दिया गया। मई 2022 में WHO ने कहा कि भारत में 47 लाख लोगों को कोरोना से मौत हुई, जबकि भारत ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मरने वालों की संख्या महज 5,23,975 है।

NBT

लक्षण आने से पहले पता चलेगी बीमारी

ChatGPT के मुताबिक, बीमारी के कोविड-19 जैसे वायरस की पहचान करने में मौजूद नैनो-सेंसर और AI हेल्थ सिस्टम से लक्षण आने के पहले ही हो जा सकते हैं। हवा, सस और वातावरण को स्कैन करने वाली तकनीक वायरस की तुरंत जानकारी देती है। यूनिवर्सल वैक्सीन और जीन-एडिटिंग से इनकी कीमती इम्यूनिटी पहले से मजबूत होगी। रमेट्स, मर्क, बायो-सॉल्यूशन और AI मॉडल महामारी फैलने से पहले ही उसे रोक देंगे।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने



अपने भतीजे से बेटी का निकाह कराया है। पाकिस्तानी सरकारों ने इसकी पुष्टि की है।



ईरानी मुद्रा में रेकॉर्ड गिरावट के बाद प्रदर्शन, डॉलर के मुकाबले ईरानी मुद्रा निचले स्तर पर पहुंची। संसद बैंक प्रमुख राजा फरजीन ने इस्तीफा दिया।

इस्राइल ने गाजा में काम कर रहे मानवीय सहायता पर बैन लगाया।

इस्राइल ने डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स पर हमला से संबंध का आरोप लगाया है।



सऊदी अरब ने यमन पर एयरस्ट्राइक कर अलगाववादी गुट के लिए लाई गैर हथियारों की खेप को निशाना बनाने का दावा किया। दोनों देशों के रिश्ते में तनाव।

SPED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सएप करके बताएं।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर किताबी पैनल नजर है, आजमाएं

1. बांग्लादेश की पहली महिला फुल खालिदा जिजा नसी रहने। यह पहली बार फुल खालिदा जिजा की जीवनी है।
A. 1991 B. 1996 C. 2006

2. सलमान खान की अने वाली चीन की मुंबई की लेबर कैंप की मीडिया ने खतरा जताया है।
A. ओरेंज सिट्टर B. बैटल ऑफ लैक C. बैटल ऑफ गलवान

3. VB-G RAM के खिलाफ किस तरह की विधानसभा में प्रस्ताव पास किया है?
A. केरल B. पंजाब C. गुजरात

4. भारत सरकार ने बलाघात कि इंडियन इकोनॉमी चौथे नंबर पर आ गई। इसने किस देश को पीछे छोड़ा?
A. चीन B. जापान C. दिसन

5. नूतन मंत्रालय ने NIA प्रमुख का अतिरिक्त प्रभार किसने संभाला है?
A. अजय चौधरी B. रमेश शर्मा C. राजेश अग्रवाल

कल के जवाब

1. 3. विकर 2. A. जमान 3. A. 79 लाख करोड़ 4. B. 6.7% 5. C. 966

लकी विनर्स

1. रवीश मीड़, नई दिल्ली 2. अरुण चौधरी, बैटल नगर 3. नवीर अली खान, लखनऊ

ऐसे भेजे अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें। nbtreader@timesofindia.com पर, संध में फोटो भी भेजें। संपादक ने KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिन सुझावों से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छपेंगे।

NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर 2025

इस साल देश को नई दिशा देने वाले कुछ नाम निम्नलिखित हैं। इनमें से एक को NBT टिम ने प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर 2025 के रूप में चुना है। जिन्होंने अपने काम से भारत की सोच और तस्वीर बदली है। पैरा एथलीटों के असाधारण प्रदर्शन और उपलब्धियों को देखते हुए ऑपरेशन B ने शामिल है शीतल देवी और सुमित अंतिल। अब फैसला आपके हाथ में है। वोट कर लें। वोट करने के लिए NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर कौन होगा। वट्सएप पर भेजें। भोजपुर वोट दे सकते हैं।

NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर चुनने के लिए करें वोटिंग

A हरमनप्रीत कौर (महिला क्रिकेट टीम की कप्तान)

2 नवंबर की रात हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारत की 16 महिलाओं ने इंग्लैंड में खेल रखा। टीम ने वर्ल्ड कप के रूप में ICC का पहला खिलाड़ी अपने नाम किया। ICC खिलाड़ी नंबर 100 के रूप में चुने जाने का बोनस एक पैसे को दूसरी पैसे तक की खिलाड़ियों के कौशल पर खराब आ रहा था, लेकिन मानवीय रूप से बेस्ट मजबूत हरमन की टीम ने संतुष्टिपूर्वक रूप से 7 बार की वॉशिंग अफेयर और फाइनल में सऊदी अरब को हराकर इंग्लैंड के पानी पर अपना नाम सुनकर अक्षरी में लिखवाया।

B देश के पैराएथलीट (शीतल देवी-सुमित अंतिल)

अपने कितने बार पैरा एथलीटों को निम्नलिखित (एथल-बॉडी) वर्ग की टीम में जगह बनाने देखा है? वे दुर्लभ उपलब्धि विना हथके की जमीन-कर्मियों की 18 साल की शीतल देवी ने इंग्लैंड की। भारत के पैरा एथलीटों को अरु सुमित अंतिल ने वर्ल्ड पैरा एथलीट्स में वॉशिंग अफेयर के साथ वर्ल्ड मॉडल जीत लिया।

C दिव्या देशमुख (प्रिडमस्टर)

देश में भारत के बड़े राज्यों को उस जमाने में उछाड़ना मिला, जब 2025 में 19 साल की दिव्या देशमुख ने पॉलिश में अर्द्धांश FIDE विनर्स वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया। शीतल देवी के खिलाफ विवाद अटल में खेले हुए अटल ने प्रिडमस्टर बैटलमस्टर (CM) खिताब में इंग्लैंड विजय और 2026 विनर्स वर्ल्ड टूर टूरमेंट में जगह पकड़ी कर खुद को वर्ल्ड रैंक में एक बड़ी तक के रूप में स्थापित किया। वह खिताब अपने वाली बह पकड़ी भारतीय महिला है।

D कर्नल सोफिया कुरेशी, थिंग कमांडर व्योमिका सिंह

ओरेंज सिट्टर के बारे में जानकारी तुर्किया कुरेशी और थिंग कमांडर व्योमिका सिंह इस ओरेंज का पैरा बम मई। यद्यपि उनकी कर्नल सोफिया आर्मी की सिक्किम कौर में है। थिंग कमांडर व्योमिका सिंह एयरफोर्स में है। सिक्किम प्रशासन है। उन्हें मॉडल ऑन रॉटिंग मिले है।

E सुभाष सुक्का (गुप्त केप्टन, एयरफोर्स)

एयरफोर्स के गुप्त केप्टन सुभाष सुक्का इंदरनिल रंजन अंतरिम (ISS) जाने वाले पहले भारतीय एयरफोर्स ऑफिसर हैं। 1984 में रॉकेट बम के उड़ान भरने के बाद वह खड़ा है। एमिशन-4 विमान के फ्लाइट सुभाष सुक्का और उनकी टीम ने मिलाकर 60 से ज्यादा फ्लाइट किए थे, विमान मंचन रखकर, अंतरिम कुरेशी और अंतरिम स्टू के मॉडल पर से जुड़े फ्लाइट सुभाष है। वह 16 जुलाई को फ्लाइट पर लैंड है।

कैसे करें वोट 9220747220 पर वट्सएप करें। मसलन आर आरबी चौधरी देवा सुख है तो भेजें। न C लिखकर अपना जवाब भेज दें।

बांग्लादेश की पहली महिला पीएम जिया नहीं रही



90 साल की बूढ़े खालिदा 20 दिनों से बेटेलेटर पर थी

एक थीं खालिदा 3 दिन का राजकीय शोक, पीएम मोदी ने जताया दुख

■ पीटीआई, हावा

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) की प्रमुख खालिदा जिजा का सोमवार सुबह 6 बजे दुख में निधन हो गया। वह 90 साल की बूढ़े और पिछले करीब 20 दिनों से बेहोश रहते पर थीं। खालिदा सोने में इस्लाम, लिबरलिटी, पॉलिटी, नैतिक और अर्थ की परंपरा से जुड़ी रहीं थीं। पूर्व राष्ट्रपति निवासर रहमान की पत्नी खालिदा का 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रही। पीएम नरेन्द्र मोदी ने 2015 में डाक में खालिदा से मुलाकात की तस्वीर को दण्ड नता। बांग्लादेश की अग्रणी प्रगतिशील शक्ति रही। पीएम नरेन्द्र मोदी ने खालिदा जिजा के निधन पर शोक व्यक्त किया।

■ भारत में हुआ था जन्म

खालिदा जिजा का जन्म 15 अक्टूबर 1935 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुरी में हुआ था। जन्म से ठीक दो साल बाद 1947 में भारत विभाजन के बाद जलपाईगुरी गिले के कुछ हिस्से (जैसे टिपिन टिपिनजुर के कुछ हिस्से) अरुणाचल प्रदेश से जुड़े पाकिस्तान में शामिल हो गए थे, लेकिन बाद में उन्हें वापस भारत में मिला लिया गया। 16 दिसंबर 1971 को भारतीय हस्तक्षेप के बाद पश्चिमबंगाली सेना के आत्मसमर्पण के साथ बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया। खालिदा जिजा का राजनीति में प्रवेश 1980 के दशक में हुआ था।

■ पाकिस्तान में बीता था बचपन

खालिदा जिजा जहाँ शक्तिशाली थीं जिनका जन्म भारत में हुआ, पर बचपन पाकिस्तान में बीता और सिवासत की सुरक्षा की तस्वीरें देश बांग्लादेश से हुई। वह बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री। खालिदा जिजा ने बांग्लादेश में सैन्य जमाओं के खिलाफ जन आंदोलन छेड़ कर 1990 में तत्कालीन जनरल और पूर्व प्रमुख एचएम, इरफाद का पतन करने में अग्रणी भूमिका निभाई थी। 1981 में अपने पति की हत्या के बाद उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का नेतृत्व किया और पहली बार 1991 में प्रधानमंत्री बनीं।

■ जलपाईगुरी में जन्म हुआ पर भारत विरोधी रहीं

जलपाईगुरी में जन्म हुआ पर भारत विरोधी रहीं

1991 और 2001 में दो बार नौरी की बांग्लादेश की पीएम

बांग्लादेश की पहली महिला फुल खालिदा जिजा नसी रहने। यह पहली बार फुल खालिदा जिजा की जीवनी है।

भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त को डाका बुलाया

भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त को डाका बुलाया

■ नई दिल्ली: खालिदा जिजा का जन्म भारत में हुआ था, लेकिन उनकी राजनीति का आधार भारत विरोधी की बजाय हो गई मुस्लिम अधिकांशता ने कई बार विना नसी रहने के कारकाल में नौरी छेड़ के जुड़े दुख में पारमर्षी गये। बांग्लादेश में जलपाईगुरी की हत्या के अलावा उन पर पाकिस्तान की नौरी एंजेली 13 से संबंध रखने के भी आरोप लगते रहे हैं। जिजा पहली बार 1992 में कर्नल रामसेलुन में शक्ति लेने के लिए भारत आई थीं। उनकी टीम 'लिन बैक कैंडिडेट' को जीत पर देने से जुड़े सम्बंधों पर हलफार किया गया है। लिन बैक कैंडिडेट टैने के कई जमान पर सिद्ध (विदेश) हैं, जिसे जून 1992 में भारत ने बांग्लादेश को 999 साल के लिए दे दिया। हालांकि, दिल्ली और डाका के सैन्य तत्वों की बने रहीं। वह बांग्लादेश की पहली प्रधानमंत्री हैं। निम्नलिखित टैने देते के बीच जल बंदों से जुड़े विवाद को संभाल रहा था पंचायत। 1993 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान इस मुद्दे का उल्लेख किया।

■ नई दिल्ली: खालिदा जिजा का जन्म भारत में हुआ था, लेकिन उनकी राजनीति का आधार भारत विरोधी की बजाय हो गई मुस्लिम अधिकांशता ने कई बार विना नसी रहने के कारकाल में नौरी छेड़ के जुड़े दुख में पारमर्षी गये। बांग्लादेश में जलपाईगुरी की हत्या के अलावा उन पर पाकिस्तान की नौरी एंजेली 13 से संबंध रखने के भी आरोप लगते रहे हैं। जिजा पहली बार 1992 में कर्नल रामसेलुन में शक्ति लेने के लिए भारत आई थीं। उनकी टीम 'लिन बैक कैंडिडेट' को जीत पर देने से जुड़े सम्बंधों पर हलफार किया गया है। लिन बैक कैंडिडेट टैने के कई जमान पर सिद्ध (विदेश) हैं, जिसे जून 1992 में भारत ने बांग्लादेश को 999 साल के लिए दे दिया। हालांकि, दिल्ली और डाका के सैन्य तत्वों की बने रहीं। वह बांग्लादेश की पहली प्रधानमंत्री हैं। निम्नलिखित टैने देते के बीच जल बंदों से जुड़े विवाद को संभाल रहा था पंचायत। 1993 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान इस मुद्दे का उल्लेख किया।

■ नई दिल्ली: खालिदा जिजा का जन्म भारत में हुआ था, लेकिन उनकी राजनीति का आधार भारत विरोधी की बजाय हो गई मुस्लिम अधिकांशता ने कई बार विना नसी रहने के कारकाल में नौरी छेड़ के जुड़े दुख में पारमर्षी गये। बांग्लादेश में जलपाईगुरी की हत्या के अलावा उन पर पाकिस्तान की नौरी एंजेली 13 से संबंध रखने के भी आरोप लगते रहे हैं। जिजा पहली बार 1992 में कर्नल रामसेलुन में शक्ति लेने के लिए भारत आई थीं। उनकी टीम 'लिन बैक कैंडिडेट' को जीत पर देने से जुड़े सम्बंधों पर हलफार किया गया है। लिन बैक कैंडिडेट टैने के कई जमान पर सिद्ध (विदेश) हैं, जिसे जून 1992 में भारत ने बांग्लादेश को 999 साल के लिए दे दिया। हालांकि, दिल्ली और डाका के सैन्य तत्वों की बने रहीं। वह बांग्लादेश की पहली प्रधानमंत्री हैं। निम्नलिखित टैने देते के बीच जल बंदों से जुड़े विवाद को संभाल रहा था पंचायत। 1993 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान इस मुद्दे का उल्लेख किया।

कहुरपथियों के साथ रही नजदीकी

BNP की इस्लामी समूहों के साथ नजदीकी का ही नतीजा था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा फैलने को मिलती रही है। इस तरह की हिंसा का उदाहरण 1992 बॉम्ब 2001 के चुनाव में भी देखी। इससे टैने देते के जुद्धनीति का पता चलता है। 2006 में जिजा ने भारत का दौरा किया था और इस दौरान उन्होंने तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह से मुलाकात की थी।

2015 में खालिदा जिजा ने पीएम नरेन्द्र मोदी की डाका बाऊ के दौरान उनसे मुलाकात की थी



कहुरपथियों के साथ रही नजदीकी

BNP की इस्लामी समूहों के साथ नजदीकी का ही नतीजा था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा फैलने को मिलती रही है। इस तरह की हिंसा का उदाहरण 1992 बॉम्ब 2001 के चुनाव में भी देखी। इससे टैने देते के जुद्धनीति का पता चलता है। 2006 में जिजा ने भारत का दौरा किया था और इस दौरान उन्होंने तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह से मुलाकात की थी।

'बैटल ऑफ गलवान' पर चीन में चिंता, भारत ने कहा- कलात्मक स्वतंत्रता

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

चीनी सरकार सार्वभौमिक अग्रसार खोज टाइम में बैटल सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की आलोचना की है। अग्रसार ने दावा किया कि वह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़पों से जुड़े तथ्यों को लोड-मोड कर पेश कर रही है। स्लेबल टाइम में एक चीनी विशेषज्ञ के हवाले से कहा कि बीबीसी फिल्म में अधिकांश मानवजन और मानवतापूर्ण प्रवृत्ति पर अग्रसार होती है, लेकिन किसी भी तरह की निम्नलिखित अतिशयोक्ति इंगित करने के बजाय नती सनकी और न ही पीपुलस लिबरेशन आर्मी (PLA) की चीनी की संस्कृति की रक्ष करने की प्रतिबद्धता को कमजोर कर सकते हैं।



टीजर में लड़ाई के दृश्य शामिल हैं

टीजर में सलमान खान एक भारतीय सेना के अधिकारी की भूमिका में दिखा रहे हैं। टीजर में आने-समने की लड़ाई के दृश्य भी शामिल हैं, जो उच्च हिमालयी क्षेत्रों में फैला सैनिकों की चुनौतियों को दर्शाते हैं। सलमान घाटी की घटना के बाद भारत और चीन के बीच तनाव काफी बढ़ गया है।

चीन का दावा- भारत, पाक संघर्ष रुकवाया

चीन के विदेश मंत्री वॉंग यी (Wang Yi) ने कहा है कि इस तरह चीन ने अपने बल-पुर्बल में मध्यस्थता की, जिसने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव में शामिल है। उन्होंने कहा कि चीन ने दावा किया कि चीन ने निष्पक्ष रूप से अपनी हुर कई क्षेत्रों में शामिल बल को शामिल की कोशिश की। भारत ने इस दावे को पहले ही खारिज कर दिया है।

UN प्रमुख का नए साल का संदेश हिंदी में

पीटीआई, संयुक्त राष्ट्र: पहली बार संयुक्त राष्ट्र (UN) प्रमुख एंटीनी ग्लोरिया ने 2026 के लिए अपना नवंबर संदेश हिंदी में दिया था। ग्लोरिया ने कहा कि विश्व में विवादों के बीच में विश्व विकास में निवेश करने का आग्रह किया, न कि विनाश के।

कार्बाइन और टॉरपीडो खरीद को मंजूरी

पीटीआई, नई दिल्ली: रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को 4,666 करोड़ रुपये के कार्बाइन पर साफ फिल्म निष्का के तहत 4.25 लाख से ज्यादा कार्बाइन और टॉरपीडो खरीद को मंजूरी दे दी। कार्बाइन और टॉरपीडो खरीद को मंजूरी दे दी।

यंग लीडर्स से 12 जनवरी को प्रधानमंत्री करेंगे बात

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक लाख युव लीडरों के साथ बैठक के लिए वे मुंबई में होंगे। यह बैठक युव लीडरों के बीच होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक लाख युव लीडरों के साथ बैठक के लिए वे मुंबई में होंगे। यह बैठक युव लीडरों के बीच होगी।



बॉर्डर के हीरो

पहली बार कर्तव्य पथ पर देख सकेंगे डबल हंप ऊंट

नई दिल्ली: इस बार गार्जियन रिपोर्ट में कर्तव्य पथ पर पहली बार डबल हंप ऊंट को देख सकेंगे। यह ऊंट भारत की पहली बार कर्तव्य पथ पर देख सकेंगे डबल हंप ऊंट को देख सकेंगे। यह ऊंट भारत की पहली बार कर्तव्य पथ पर देख सकेंगे डबल हंप ऊंट को देख सकेंगे।

इस्टर्न लराख की कठिन परिस्थितियों में आर्मी को देते हैं लॉजिस्टिक सपोर्ट, जाकरा पोनी और झेन गिराने वाले चील भी दिखेंगे



माइनस 40 डिग्री में पहुंचाते हैं रसद

इंदरनिल रंजन अंतरिम (ISS) जाने वाले पहले भारतीय एयरफोर्स ऑफिसर हैं। 1984 में रॉकेट बम के उड़ान भरने के बाद वह खड़ा है। एमिशन-4 विमान के फ्लाइट सुभाष सुक्का और उनकी टीम ने मिलाकर 60 से ज्यादा फ्लाइट किए थे, विमान मंचन रखकर, अंतरिम कुरेशी और अंतरिम स्टू के मॉडल पर से जुड़े फ्लाइट सुभाष है। वह 16 जुलाई को फ्लाइट पर लैंड है।



विश्वास - निर्माण - गौरव

डबल इंजन सरकार

दोगुनी हुई विकास की रफ्तार

आकांक्षाओं के नए शिखर पर छत्तीसगढ़...

प्रधानमंत्री आवास योजना •

- 26 लाख से अधिक पीएम आवास स्वीकृत
- 15,000 पीएम आवास आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए

कृषक उन्नति योजना •

- ₹3100 प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी, देश में धान का सर्वाधिक मूल्य
- 26 लाख किसानों को 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' का लाभ

श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना •

- 39,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने किए अयोध्या एवं काशी विश्वनाथ के निःशुल्क दर्शन

जनजातीय कल्याण •

- पीएम जनमन योजना - लगभग 60,000 PVTG परिवार लाभान्वित
- धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से 6,691 ग्राम लाभान्वित

माओवादी आतंक से मुक्ति की ओर •

- 500 से अधिक नक्सली न्यूटलाइज
- 2400 से अधिक पुनर्वास, 1900 से अधिक नक्सली गिरफ्तार
- 83 नए सुरक्षा कैंप स्थापित

सड़कों का विकास •

- ₹40,000 करोड़ से अधिक की लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास

पारदर्शी व्यवस्था का निर्माण •

- सुशासन तिहार से समस्याओं का त्वरित निदान
- सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन
- 400 से अधिक नीतिगत सुधार

महतारी गौरव वर्ष •

- 70 लाख महिलाएं महतारी वंदन योजना से बनीं आर्थिक रूप से सशक्त
- 38 लाख महिलाओं को 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' का लाभ

तैदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि •

- दर ₹4000 से बढ़कर ₹5500 प्रति मानक बोरा
- 52 लाख तैदूपत्ता संग्राहक लाभान्वित

निवेश का नया हब छत्तीसगढ़ •

- ₹7.83 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव नवीन औद्योगिक विकास नीति से
- नवा रायपुर में एआई डेटा सेंटर पार्क, सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग यूनिट ले रहा आकार

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन •

- कृषि मजदूर कल्याण योजना
- 5.62 लाख भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष ₹10,000 की आर्थिक सहायता

युवा कल्याण •

- युवा स्वरोजगार हेतु 50% सब्सिडी पर ब्याजमुक्त ऋण की सुविधा
- लगभग 32,000 शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ, अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट

रेल नेटवर्क का विस्तार •

- ₹47,447 करोड़ की विभिन्न रेल परियोजनाएं ले रही आकार

विश्वस्तरीय शहर नवा रायपुर •

- रेल सेवा की शुरुआत, राज्य राजधानी क्षेत्र (SCR) का होगा गठन
- चित्रोत्पला फिल्म सिटी और तीरंदाजी अकादमी की होगी स्थापना
- मेडिसिटी, फार्मास्युटिकल हब, रेडीमेड गारमेंट पार्क ले रहे हैं आकार

निरंतर
सेवा
निरंतर
2 साल
विकास



DEPARTMENT OF FINANCIAL SERVICES
MINISTRY OF FINANCE
GOVERNMENT OF INDIA

Campaign for efficient and quick settlement of unclaimed assets namely, Bank Deposits, Mutual Funds, Life and General Insurance Policies, Pension Accounts and Shares and Dividend in the Financial Sector.

October - December 2025

Contact your nearest relevant insurance company,
bank, and other financial institutions.

“आपकी पूँजी, आपका अधिकार”

Your Money, Your Right

Awareness Access and Action

STATE LEVEL INSURANCE COMMITTEE, DELHI

ICICI trade logo displayed above belongs to ICICI Bank and is used by ICICI Lombard GIC Ltd. under license and Lombard logo belongs to ICICI Lombard GIC Ltd. ICICI Lombard General Insurance Company Limited, ICICI Lombard House, 414, P. Bala Mang. Off Viceroy Park Road, Near Sakshi Vinayak Temple, Prohadevi, Mumbai 400025. Toll Free: 1800 2666 Fax No: 022 61961323 IRDA Reg. No. 115 CN.

शीतकालीन तीर्थटिन एवं पर्यटन को नई दिशा दे रही देवभूमि उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद शीतकालीन चारधाम सर्किट को मिली नई राष्ट्रीय पहचान। उत्तराखंड सरकार इस विजन को प्रमुखता देते हुए सालभर तीर्थयात्रा कर सकने की सुविधा को सुनिश्चित कर रही है। बर्फ से ढकी चोटियाँ और प्राचीन पूजा स्थल तीर्थयात्रा के अनुभव को दिव्यता दे देंगे।



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्ष्टपूर्ण नेतृत्व से प्रेरित होकर, हम उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि और अग्रणी संभावनाओं के साथ हम दूरदर्ष्टी नीतियों और केंद्रित पहलों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देते, अवसरों को उभारते हैं और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उत्तराखंड को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है, जहाँ विरासत और न्यायवाचक-सम्बन्ध आगे बढ़ें, और हर व्यक्ति को एक समृद्ध, प्रगतिशील और समन्वयशील वातावरण में आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर मिलें।

— पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है देवभूमि उत्तराखण्ड



उत्तराखंड का शीतकालीन चारधाम सर्किट पर्यटकों को शीतकालीन तीर्थयात्रा के एक सार्वभौमिक आयोजन के रूप में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहाँ आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रमुख यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उभार दिया, जिससे अवसरों का विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चक्राता और दखरा कुल जैसे नवभूमि गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।

शीतकालीन चारधाम सर्किट पर्यटकों को शीतकालीन तीर्थयात्रा के एक सार्वभौमिक आयोजन के रूप में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहाँ आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रमुख यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उभार दिया, जिससे अवसरों का विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चक्राता और दखरा कुल जैसे नवभूमि गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।



टिप्टो में पैराग्लाइडिंग

शीतकालीन चारधाम के अनुभव को आस-पास के गंतव्यों से बनाएं बेहतर



दखरा कुल: एक विस्तृत अत्यंत घासभूमि, जो शीतकालीन बर्फीले नगरों और शीतकालीन वरगणों के लिए प्रसिद्ध है।

औली: भारत का प्रमुख स्कीइंग गंतव्य, जहाँ शीतकालीन खेल, रोमांच और नया देशी शैली का हिमालयी स्पोर्ट्स के दिव्य दृश्य उपलब्ध है। तीर्थयात्रा के साथ रोमांचक पर्यटन अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए औली एक आकर्षक विकल्प है। काशी विरासत (उत्तरकाशी): उत्तरकाशी का विरासतवादी एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय धर्म है और कंवाई वाले तीर्थस्थलों की ओर जाने वाला एक आध्यात्मिक विरासत प्रदान करता है। इसकी उत्कृष्टता चारधाम यात्रा की धार्मिक निरंतरता को और मजबूत बनाती है। नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान: यूनेस्को के बायोस्फियर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त यह उद्यान उत्तम हिमालयी बाइलंडरनेस, दुर्लभ वनस्पतियों—औली और समृद्ध संरक्षण विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां की वास्तविकता अनुभव में पर्यटकों को जगमगाता और प्रकृति संरक्षण की महारत जड़ती है।



औली

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड अपने मंदिर सर्किट, प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाकर खुद को आध्यात्मिकता और कल्याण का वैश्विक केंद्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। अपने इस प्रयास से यह विश्व पटल पर नई पहचान भी स्थापित कर रहा है।

उत्तराखंड धीरे-धीरे एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो प्राचीन मंदिर सर्किटों को पुनर्जीवित, संरक्षित और आधुनिक बनाने के वैश्वीय प्रयासों से प्रेरित है। इस दिशा में एक प्रमुख पहल है मानसखंड मंदिर माला मिशन, जिसका उद्देश्य कुमायूँ क्षेत्र के महत्वपूर्ण मंदिरों का विकास और आधुनिक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। मिशन के तहत पूर्व मान्य, आधुनिक सुविधाओं और पर्यटन अवसरों के सुचारु कर, राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक सज्ज तीर्थयात्रा अनुभव तैयार करना लक्ष्य है। इस आध्यात्मिक परियोजना में योगदान देने वाले प्रमुख मंदिरों में रुद्रप्रयाग जिले का कालिका स्वामी मंदिर शामिल है। एक ऊँची छतुनी कमल पर स्थित यह मंदिर भगवान कालिका को समर्पित है और हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य के साथ शांतिपूर्ण भक्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। इसकी अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे तीर्थयात्रियों और आम जनता के लिए एक पवित्र स्थल और मनोहारी दृष्टि बिंदु दोनों बनाती है। इसी तरह, त्रिगुनगिराज मंदिर, जो रुद्रप्रयाग में स्थित है, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं में शिव यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के शिवलिंग के रूप में जाना जाता है। मंदिर परिसर में लगातार जलती रहने वाली अग्नि ज्योति इस दिव्य मिशन का जीवित प्रतीक माना जाता है, जो पुरे वर्ष भरती को आकर्षित करती है।



कालिका स्वामी मंदिर, भगवान कालिका को समर्पित, हिन्दू धर्म के कुछ हिस्सों में भगवान कुमायूँ, भगवान के रूप में जाना जाता है।

जगन्मोहन धाम, 125 से अधिक प्राचीन मंदिरों का समूह, जो भगवान शिव को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 नवंबर 2025 को देहरादून में दिया गया संबोधन राज्य की आध्यात्मिक संभावनाओं को और मजबूत करता है। उन्होंने उत्तराखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक शक्ति पर बल देते हुए कहा—'यदि उत्तराखंड इसे ठान ले, तो कुछ ही वर्षों में यह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है'—उनकी यह टिप्पणी राज्य की बदलती पहचान की संस्कृति को दर्शाती है, जो आध्यात्मिकता, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

‘वेड इन उत्तराखंड’ से राज्य में बढ़ रहा वेडिंग पर्यटन का आकर्षण

राज्य की पर्यटन क्षमता की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय ‘वेड इन इंडिया’ पहल के अंतर्गत उत्तराखंड की क्षमता को एक प्रमुख डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में उभरने की ओर इंगित किया। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद उत्तराखंड धीरे-धीरे शादी पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है। वीएस मोदी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह, 9 नवंबर 2025 को अपने संबोधन में राज्य के प्राकृतिक दृश्य, आध्यात्मिक वातावरण और बढ़ती पर्यटन अवसरों की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी कारक देश और विदेश से वेडिंग पर्यटन को आकर्षित करने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है, जो अपनी पर्यटन भव्यता, नदियों और शांत चोटियों के प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित है। उन्होंने ‘वेड इन इंडिया’ पहल के अंतर्गत राज्य की एक विशिष्ट पहचान बनाने का महत्व रेखांकित किया और सुझाव दिया कि उत्तराखंड 5-7 प्रमुख वेडिंग स्थल विकसित कर सकता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करें। उन्होंने यह भी कहा कि पवित्र मार्गों से सुचारु, आतिथ्य सेवाओं को बढ़ाना और स्थानीय आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाना या रहा है, जहाँ प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक महारत और शिव-सतीय आतिथ्य का अनुभव संयोजन मिलेगा।



प्रसिद्ध त्रिगुनगिराज मंदिर, भगवान शिव और पार्वती के शिवलिंग के लिए अलग-अलग है। और अट्ट आस्था और आध्यात्मिक बन का प्रतीक है।

पर्यटकों को समर्पित करना न केवल पर्यटन अवसरों का सशक्त करण बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर भी सृजित करेगा। रोमांच, इको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को पहले ही बढ़ावा देने वाली सरकार के लिए, समर्पित वेडिंग डेस्टिनेशन रणनीति राज्य की पैदावारों में और विविधता जोड़ती है। मजबूत जनसहभागिता और प्रधानमंत्री की दूरदर्ष्टि के साथ, उत्तराखंड भारत के सबसे आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाने का रास्ता है, जहाँ प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक महारत और शिव-सतीय आतिथ्य का अनुभव संयोजन मिलेगा।

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखंड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का परंपरागत स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोर से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और वही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है।

ट्रेकिंग और हाईकिलिंग

ट्रेकिंग और हाईकिलिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड की सुंदर जगहों का यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रेक पर ट्रेकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वाली के लिए केदारनाथ और गौमुख तथोवन ट्रेक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

बिच की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला कश्मिक अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग साइट है। गुरुवाचरण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

धूमिली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इनके शीतकालीन वॉटरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी तालम दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

होमस्टे नीति से ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा विस्तार

5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे और प्रोत्साहनों के साथ, होमस्टे नीति सामुदायिक पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मजबूत बना रही है

उत्तराखंड की होमस्टे नीति तेजी से ग्रामीण पर्यटन और समुदाय विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनती जा रही है। वर्तमान में राज्य में 5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे हैं, जो पहाड़ी जिलों में समुदाय-आधारित आय के स्रोत बने हुए हैं। राज्य के तहत, समन्वय क्षेत्रों में संयोजित होमस्टे को अधिकतम ₹7.5 लाख तक की पुंजी अनुदान मिल सकती है, जबकि पर्यटन क्षेत्रों में यह राशि ₹10 लाख तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों के लिए कबज अनुदान का भी प्रदान है। होमस्टे संचालकों को स्थानीय निवासी होने आवश्यक है और उन्हें स्थानीय संस्कृति, धर्म और अतिथ्य को पर्यटन अनुभव में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना, रोजगार सृजित करना और पर्यटन के माध्यम से परंपरा को रोकना है। प्रारंभिक आकलन बताते हैं कि होमस्टे नीति अत्यंत सफल है, स्थानीय आजीविका में वृद्धि ला रही है और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में समुदायिक विकास में योगदान दे रहा है।

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है आदि कैलाश

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद आस्था व साहस का प्रतीक बनकर उभरा है आदि कैलाश

आदि कैलाश, उत्तराखंड के सबसे पुरानी आध्यात्मिक स्थलों में से एक,



आज तेजी से ऐसे गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहाँ पौराणिक विरासत और ऊँचाई वाले साहसिक अनुभव एक साथ मिलते हैं। अपनी गहरी पौराणिक महत्ता और भव्य हिमालयी आभा के लिए प्रसिद्ध आदि कैलाश राज्य की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान रखता है। यह क्षेत्र अब तीर्थयात्रियों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच-प्रेमी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जो आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ निर्मल प्राकृतिक सौंदर्य के साथ, वहीं अब यह संस्था बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। बलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

आयोजित अल्पदूरीय यात्रा और आदि कैलाश परिक्रमा रन संस्करणों के संग्रह हुए। प्रधानमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश-विदेश के एथलीटों को हिमालय की आध्यात्मिक और पर्यावरणीय समृद्धि से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राज्य में इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म की अग्रणी संभावनाओं को सामने लाते हैं।



प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड को किस प्रकार यह क्षेत्र उत्तराखंड की बढ़ती पर्यटन अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन रहा है। उन्होंने बढ़ती पर्यटन संख्या की सहायता करते हुए बताया कि तीन वर्षों पहले अहां वॉटर में 2,000 से भी कम पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संस्था बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। बलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि वाइल्ड वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक

सफेद पानी में राफ्टिंग

सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से तैरियन पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अरुण-विन्ध्य नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नेनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसानी से उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां अरुण की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:- https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in